मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

मानविकी – संकाय

स्नातकोत्तर – राजस्थानी साहित्य

नियमित छात्रों के अध्ययन हेतु

सत्र– 2016–17

एम.ए.पूर्वार्द्ध

सत्र 2016–17

परीक्षा वर्ष–2016–17

इस परीक्षा में 80 अंकों के पांच प्रश्न पत्र होंगे। 20 अंको का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

द्वितीय षट्मास

4. चतुर्थ प्रश्न पत्र–संत–साहित्य **42604**

चतुर्थ प्रश्न पत्र – संत – साहित्य **80 अंक**

इकाई–प्रथम

संत साहित्य दार्शनिक एवं धार्मिक पृष्ठभूमि। संत सम्प्रदाय।

इकाई – द्वितीय

दादू पंथ।

जस सम्प्रदाय।

इकाई– तृतीय

चरणदासी पंथ।

विश्नोई सम्प्रदाय।

इकाई–चतुर्थ

रामस्नेही पंथ।

रामस्नेही सम्प्रदाय।

इकाई–पंचम

निरंजनी पंथ।
जैन संत सम्प्रदाय।
सहायक पुस्तकेंः–राजस्थानी भाषा और साहित्यः डॉ. मोतीलाल मेनारिया।
रामस्नेही सम्प्रदायः त्रिपाठी राधेश्याम।
दादू सम्प्रदाय का संक्षिप्त परिचय मंगल दास स्वामी।
नव सम्प्रदाय : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।
जाम्भोजी संत सम्प्रदाय और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी।

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार से अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पुछे जायेगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा।**(10×2=20)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न आठ अंकों का होगा।**(5×8=40अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है। किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होगें। **(2×10=20अंक)**